L.N. MITHILA UNIVERSITY
DARBHANGA (BIHAR)

Dr. Pramod Kumar Sahu.
Assitant. professor.
Guest Teacher.
V.S.J. college. Rajnagar,
MADHUBANI (BIHAR)
pramod kumar sahu2018
@ gmail. com.

B.A PART- 02
B.A PAPER - 03
social psychology
psychology (Honours)

TOPIC- Relation with political science. (राजनीतिशास्त्र से संबंध)

राजनीतिशास्त्र का समाज मनोविज्ञान से बहुत गहरा लगाव है। दोनों सामाजिक विज्ञान हैं। समाज में किसी परिवर्तन से समाज मनोविज्ञान व्यक्ति के व्यवहारों का अध्ययन करता है और राजनीतिशास्त्र सामाजिक परिवर्तन के परिणामों का। आधुनिक युग में राजनीतिक उथल-पुथल में समाज मनोविज्ञान का संबंध राजनीति-शास्त्र से बहुत अधिक हो गया है। चुनाव से लेकर संगठन तथा प्रचार के तरीकों एवं नियमों में समाज मनोविज्ञान का सहारा लिया जाता है। सभी राजनीतिक पार्टियाँ व्यक्तियों से बनती हैं। अतः उन पार्टियों के नियम तथा उद्देश्यों को समझने के लिए उनके सदस्यों के व्यवहारों को समझना आवश्यक है। इस स्थिति में राजनीतिज्ञों को समाज मनोविज्ञान का सहारा लेने की आवश्यकता होती है। इसी प्रकार किसी सरकार के प्रति जनता की मनोवृत्ति जानने के लिए समाज मनोविज्ञान का सहारा लिया जाता है। इस प्रकार राजनीतिशास्त्र को समाजशास्त्र से विभिन्न अध्ययन करने में सुविधा होती है। लेकिन इसके अतिरिक्त राजनीतिशास्त्र से भी समाज मनोविज्ञान के अध्ययन के लिए बहुत-सी सामग्रियाँ प्राप्त होती हैं। अतः समाज मनोविज्ञान और राजनीतिशास्त्र में घनिष्ठ संबंध है। दोनों एक-दूसरे पर आधारित हैं।

सामाजिक मनोविज्ञान व्यक्तियों की पारस्परिक प्रतिक्रिया का और इससे प्रभावित व्यक्ति के विचारों, भावनाओं, संवेगों और आदतों का अध्ययन है।

सामाजिक मनोविज्ञान वह विज्ञान है जिसमें हम

Scanned with CamScanner

अध्ययन किया जाता है कि एक व्यक्ति के विचार भावनाएं और क्रियाएं दूसरे व्यक्तियों द्वारा किस प्रकार प्रभावित होती है।

Meyers के अनुसार — सामाजिक मनोविज्ञान वह वैज्ञानिक अध्ययन है। जिसमें व्यक्ति दूसरे व्यक्तियों के संबंध में किस प्रकार सोचता है। दूसरे व्यक्तियों को कैसे प्रभावित करता है और दूसरे लोगों से एक-दूसरे से संबंधित करता है।

Feldman 1985 के अनुसार - सामाजिक मनोविज्ञान वह विज्ञान है। जिसमें यह अध्ययन किया जाता है कि वह व्यक्ति के विचार भावनाएं और क्रियाएं दूसरे व्यक्तियों द्वारा किस प्रकार प्रभावित होती है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी समाज से संबंधित होता है। यह समाज की विभिन्न परिस्थितियों में व्यक्ति के विचार, भावनाएं, क्रियाएं और व्यवहार करता है। इसका अध्ययन सामाजिक मनोविज्ञान में किया जाता है। इतना ही नहीं व्यक्ति समाज में न केवल दूसरों के व्यवहार को प्रभावित करता है बल्कि वह स्वयं भी दूसरे लोगों के व्यवहार से प्रभावित होता है। व्यक्ति समाज में दूसरे लोगों के विचारों भावनाओं, क्रियाओं और व्यवहारों आदि को किस प्रकार प्रभावित करता है और बदले में उस व्यक्ति की भावनाएँ, विचार, क्रियाएं और व्यवहार किस प्रकार प्रभावित होते है। व्यक्ति सामाजिक वातावरण के लोगों के पारस्परिक संबंधों और उनकी अन्तःक्रियाओं को किस प्रकार से समझता है कैसे वह दूसरे लोगों के साथ कैसे सामाजिक संबंधों का निर्वाह करता है और उसी प्रकार की दूसरों के साथ अन्तः क्रियाएं भी करता है। वर्तमान सामाजिक मनोविज्ञान का संक्षेप में यही अर्थ है।

सामाजिक मनोविज्ञान आज भी विकासशील अवस्था में है। अतः आज भी इसकी कोई सर्वमान्य परिभाषा नहीं है। ऊपर दी गई परिभाषाओं

के विवरण में यह स्पष्ट है कि समाज मनोविज्ञान के विकास के साथ-साथ इसकी परिभाषाएं भी बदलती रही, उपरोक्त की हुई विभिन्न विद्वानों की परिभाषाओं में अन्तर रही हुए है। यहाँ अधिक, अतः उपरोक्त परिभाषाओं की विश्लेषण कर एक सामान्य परिभाषा बना लेना उचित होगा।
सामाजिक मनोविज्ञान वह मनोविज्ञान है। जिसमें समाज में व्यक्ति के व्यवहार की अध्ययन विशेष रूप से उसकी पारस्परिक प्रक्रिया की और इस पारस्परिक प्रक्रिया से प्रभावित व्यक्ति के विचार, भावनाओं और संवेगों के वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है।

(Importance and goal of social Psychology)

सामाजिक मनोविज्ञान के लक्ष्य या महत्व

समाज मनोविज्ञान विकासशील अवस्था में है, इसने विषयों को वर्ग प्राप्त करके की और दिन-प्रतिदिन अग्रसर हो रहा है। सामाजिक मनोविज्ञान की व्यावहारिक उपयोगिता इस तथ्य से भी ज्ञात होता है कि जिन देशों में इस व्यावहारिक विज्ञान की विकास हुआ उन देशों की परम्परा उपयोगितावादी रही है। इस विज्ञान की सहायता से जो अध्ययन किये गये है। उनसे सामाजिक घटनाओं के नियन्त्रण और इनकी कथन में बहुत अधिक सहायता मिलती है।

आधुनिक सामाजिक मनोविज्ञान की क्षेत्र-प्रतिदिन विस्तृत होता जा रहा है। और इसकी प्रकृति दिन-प्रतिदिन वैज्ञानिक होती जा रही है। आधुनिक समाज मनोविज्ञान की सहायता से न केवल व्यक्ति के सामाजिक व्यवहार को समझा जा सकता है। व्यक्ति इस व्यवहार के संबंध में भविष्य कथन किया जा सकता है और इस व्यवहार को नियंत्रित किया जा सकता है। आधुनिक सामाजिक मनोविज्ञान में आज मुख्यतः उन सामाजिक परिस्थितियों की अध्ययन किया जा रहा है जो व्यक्ति के व्यवहार को महत्वपूर्ण ढंग से प्रभावित करती है।

विभिन्न सामाजिक दशाओं में व्यक्ति की व्यवहार

शैक्षिक प्रभावशीलता भी प्रभावपूर्ण होती है। इसके अलावा अनेक व्यक्तियों की ... समस्याओं के ... प्रभावित करता है। ऐसी समस्याओं के समाधान में समाज मनोविज्ञान के अध्ययन की महत्ता है।

अन्तर वैयक्तिक व्यवहार घटनाओं को समझने में भी समाज मनोविज्ञान के सिद्धान्त नियमों और अध्ययनों की महत्ता है। यह व्यक्ति में व्यक्ति की पारस्परिक प्रक्रिया का और इसके प्रभाव का अध्ययन है जिससे व्यक्ति के संवेगों और आदतों के सम्बन्ध में भी समाज मनोविज्ञान सहायक है।

इसीप्रकार, जी. कनवानी और कार्ल (1956) ने लिखा है कि युद्ध-शान्ति, श्रमिक, पूंजी और पक्षपात आदि के क्षेत्र में भी समाज मनोविज्ञान की महत्ता है। उन्होंने आगे लिखा है कि राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय जीवन की विभिन्नताओं को दूर कर विश्व शान्ति, संकट उद्देश्यों का सह-अस्तित्व की पंचशील के सिद्धान्तों द्वारा समाधान सम्भव है। सामाजिक मनोविज्ञान राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय तनाव को कम और समाप्त करके तथा विश्व शान्ति को स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो रहा है। समाज मनोविज्ञान की सहायता से अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों की संधियों को तैयार किया जा सकता है।

By: Pramod Kumar Sahu
Date - 27/09/2020
Sub - Psychology